help of the riot-affected people. Thank you.

SHRI V. GOPALSAMY (Tamil Nadu): Madam, this is a very serious matter. I strongly condemn the racist regime of South Africa. I would request the Government through you, to make a statement on this.

SHRI S. W. DHABE (Maharashtra): I join Mr. Gopalsamy and Mr. Valiul-lah. This should not only be condemned. The Minister concerne should make a statement on this.

REFERENCE TO EVACUATION OF INDIANS FROM UGANDA

श्री रामचन्द्र भारद्वाज (उत्तर प्रदेश): माननीया, ऐसा लगता है कि विदेशों में भारतीय मूल के लोगों पर लगातार अत्याचार हो रहा है। हम श्रीलंका में देख चुके, दक्षिण अफ्रीका में देख रहे हैं। सबसे ऊपर इसमें है उगांडा। उगांडा में 27 जुलाई को सैनिक विद्रोह के पश्चात् भारतीयों को बहुत क्षति पहुंची है, उनकी सम्पत्ति लूट ली गई है। सैकड़ों भारतीय भाग कर कीनिया चले गये हैं? उगांडा में रहने वाले भारतीयों में यह इच्छा प्रकट की है कि वहां की अस्थिर स्थिति को देखते हुए वे भारत आना चाहते हैं। उनके भारत आने के लिए सरकार तुरन्त व्यवस्था करे। जो भी सामान वे वहां से भारत लाना चाहते हैं उस पर सीमाशुल्क न लगे।

उगांडा की नई सरकार को मान्यता देने के सम्बन्ध में मेरा यह निवेदन होगा कि यह आश्वासन उसमे लिये जाय कि वहां बस रहे भारतीयों की जानमाल की रक्षा करेगी और जिन लोगों को क्षति पहुंची है उन्हें भरपूर मुआवजा देगी। तभी हम शायद वहां बस रहे भारतीयों को जो आज अस्थिरता की स्थिति से परेशान हैं कुछ राहत दे पाएंगे। इस ओर मैं सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं।

REFERENCE TO SPECIAL MENTION MADE BY MISS JAYALALITHA

श्री सीता राम केसरी (बिहार): माननीया, अभी राष्ट्रीय गान पर माननीय सदस्या के जो संक्षेप में विचार आए उन्हें सुनकर मुझे थोड़ा दुख इसलिए हुआ कि किसी भी महान व्यक्ति की कविता या साहित्य का सम्मान सारे देश में है, लेकिन गांधी जी के नेतृत्व में आजादी की लड़ाई हुई—आज दूसरा कोई गांधी नहीं हो सकता है— उसी तरह से राष्ट्रीय गान है चाहे वह बंगाल में बना हो, चाहे तमिलनाडु में बना हो, गुजरात में बना हो, आजादी की सारी लड़ाई जिस गान के साथ आरम्भ हुई, लाखों लोगों ने बलिदान और कुर्बानी दी उस राष्ट्रीय गान के साथ कोई दूसरा गान न हो, यही मेरा विचार है। चूंकि यहां राष्ट्रीय स्तर पर यह बात उठी थी, इसलिए मैंने अपनी यह बात रखी।

SHRI V. GOPALSAMY (Tamil Nadu): Is he making a speech? What is his point?

SHRI S. W. DHABE (Maharashtra): Is it a Special Mention by Mr. Kesri

SHRI V. GOPALSAMY: Special concession.

THE DEPUTY CHAIRMAN: You mention many things day in and day out. If Mr. Kesri mention something, then everybody is getting up. What is the harm if he mentions somethnig?

SHRI S. W. DHABE: He has been mentioning every day.

THE DEPUTY CHAIRMAN: We will appreciate, if he mentions something every day.

MOTION RE THIRT/TYTHIRD AND- THIRTY-FOURTH REPORTS OF UNION PUBLIC SERVICE COM MISSION—Contd.

श्री रजनी रंजन साहू (बिहार): उपसभापति महोदया, मैं विगत 8 अगस्त को संघ लोकसेवा आयोग के सम्बन्ध में अपने विचार रख रहा था। उक्त संबंध में मैंने कहा था कि पर्सनेलिटी टैस्ट के बारे में सरकार को विचार करना चाहिए और पर्सनेलिटी टैस्ट के संबंध में सरकार